प्राचार्य
...शकीय दानवीर [illegible] स्नातकोत्तर महाविद्यालय
उतई जिला - दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
शासकीय दानवीर [illegible] स्नातकोत्तर महाविद्यालय
[illegible] - दुर्ग (छ.ग.)

JUNGLE SAFARI
जंगल सफारी-नया रायपुर
का
भूमि पूजन एवं शिलान्यास

"जंगल सफारी–पुरखौती मुक्तांगन हैं पर्यावरण–संस्कृति के दो ज्ञान दीप"–आचार्य डॉ. शर्मा

विद्यार्थियों ने लिया एशिया के सबसे बड़े जंगल सफारी के पर्यटन में पर्यावरण की चलित कक्षा का आनन्द

उतई/शासकीय दानवीर तुलाराम महाविद्यालय उतई के विद्यार्थियों ने शिक्षण हेतु पर्यटन के अनेक अवसरों का लगातार लाभ उठाया। अपने विषयों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण कर काफी कुछ जानकारियों और अनुभवों से भी इस सत्र में खूब लाभान्वित हुये। साहित्य, संस्कृति, इतिहास, धर्म, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, राष्ट्रीय कैडेट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना, खेल एवं विज्ञान सम्बन्धी महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण कर कॉलेज के स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने मनोरंजक ज्ञान अर्जित किया। पूर्व में प्राचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा विविध स्थलों की महत्ता बताकर और शैक्षिक पर्यटक दलों को शुभकामनायें देकर बिदा करते रहे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं शासन की मंशा के अनुरूप कॉलेज ने नये–नये स्थल चुने। छठवें पड़ाव के रूप में इस बार 'जंगल सफारी' वन विभाग छ.ग. शासन, नया रायपुर के साथ 'पुरखौती मुक्तांगन' ऐतिहासिक–सांस्कृतिक धरोहर स्थल, छ.ग. शासन, नया रायपुर को चुना। आचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिक्षक गण, अधिकारी गण, कर्मचारी गण एवं विद्यार्थीवृन्द ने इस शिक्षाप्रद दौरे का लाभ उठाया। इस शिक्षण पर्यटन की विशेष पर्यावरणीय एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ रहीं। कला, विज्ञान एवं वाणिज्य स्नातक स्तर पर अनिवार्य विषयों आधार पाठ्यक्रम के रूप में 'पर्यावरण अध्ययन' मानव कर्त्तव्य और अधिकार आदि का विधिवत पठन–पाठन होता है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार इनकी परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुये बिना स्नातक उपाधि नहीं दी जाती। आचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा विगत 37 वर्ष से अभी तक लगातार इसका अध्यापन करते रहे हैं। डॉ. शर्मा ने 'फील्डवर्क' के रूप में इसे विशेष उपयोगी बताया। बीच–बीच में विद्यार्थियों का चलित मार्गदर्शन करते हुये उन्होंने वहाँ के कर्मियों के सहयोग से पेड़, पौधों, पशु, पक्षियों एवं औषधीय पौधों और विशेष वनस्पतियों की जानकारी दी। बॉटनीकल गार्डन से भी विषय की अच्छी जानकारियाँ मिलीं। आचार्य डॉ. शर्मा ने बच्चों को आगे बताया कि विविध रंगी राष्ट्रीय पक्षी मोर, आराम फरमाते हुये राष्ट्रीय पशु सिंह, विशालकाय भालू, चंचल स्वर्णमृग, कुलांचें मारते काले हिरण, चीतल, घूमते हुये बारहसिंहा, नील गाय, क्रोकोडाइल पार्क में विचरण करते हुये मगरमच्छ आदि से सम्पन्न जंगल सफारी छत्तीसगढ़ राज्य की बड़ी उपयोगी धरोहर है। 800 एकड़ में निर्मित यह एशिया का सबसे बड़ा जंगल सफारी है। 130 एकड़ में फैले खण्डवा जलाशय को देखते ही बनता है। इसमें नौकायन की प्रबल सम्भावनायें हैं। वन्य जीवों के मानव निर्मित प्राकृतिक आवास देखते ही बनते थे। देशवासियों के लिये ये शासन की बड़ी भेंट है। आने वाले समय में पूरे विश्व के पर्यटक यहाँ आयेंगे। छत्तीसगढ़ की ख्याति और आय बढ़ेंगी। वहीं पुरखौती मुक्तांगन हमारे स्वर्णिम इतिहास एवं गौरवपूर्ण संस्कृति का साक्षी है। दुर्ग जिला पुरातत्व संघ के सदस्य आचार्य शर्मा ने बताया कि हमारे करमा, ददरिया, राउत नाचा, गैंड़ी नाचा, पंथी नाच, सुआनृत्य और बस्तर आर्ट देखते ही बनते हैं। डॉ. शर्मा ने बताया कि यहाँ बच्चों को रोमांचित देखकर वे सन्तोष का अनुभव कर रहे हैं। मिसाइल मेन, विश्वविख्यात वैज्ञानिक और हमारे पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम एवं विश्व में भारत के अत्यन्त लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहाँ के पर्यावरण, कला एवं संस्कृति की भूरि–भूरि प्रशंसा की है। पर्यटन शिक्षण की इस रोचक चलित कक्षा में प्रोफेसर ए. के. मिश्र, डॉ. मधूलिका रॉय, डॉ. पी. वसन्तकला, ग्रन्थपाल श्रीमती प्रीति शर्मा, डॉ. राजबाला गुरु, डॉ. विद्या पंचांगम, एन.सी.सी. की लेफ्टीनेंट और इतिहास शिक्षिका श्रीमती अनुसूईया जोगी, रा.से.यो. अधिकारी प्रो. राकेश मिंज रोजगार प्रकोष्ठ के डॉ. पंकज सोनी एवं प्रो. अर्चना पाण्डेय आदि ने भी इस विशेष कक्षा में विशेष मार्गदर्शन देकर ज्ञानवर्धन में सहयोग किया। साथ में विश्व ज्योति राय, पीयूष शार्वा, संगीता अग्रवाल, जागृति चन्द्राकर वरिष्ठ छात्र शोभेन्द्र सिंह राजपूत, अजय वर्मा, रामाचन्द, परमेश्वर ठाकुर एवं शेष नारायण समेत बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों ने इसका भरपूर लाभ उठाया।

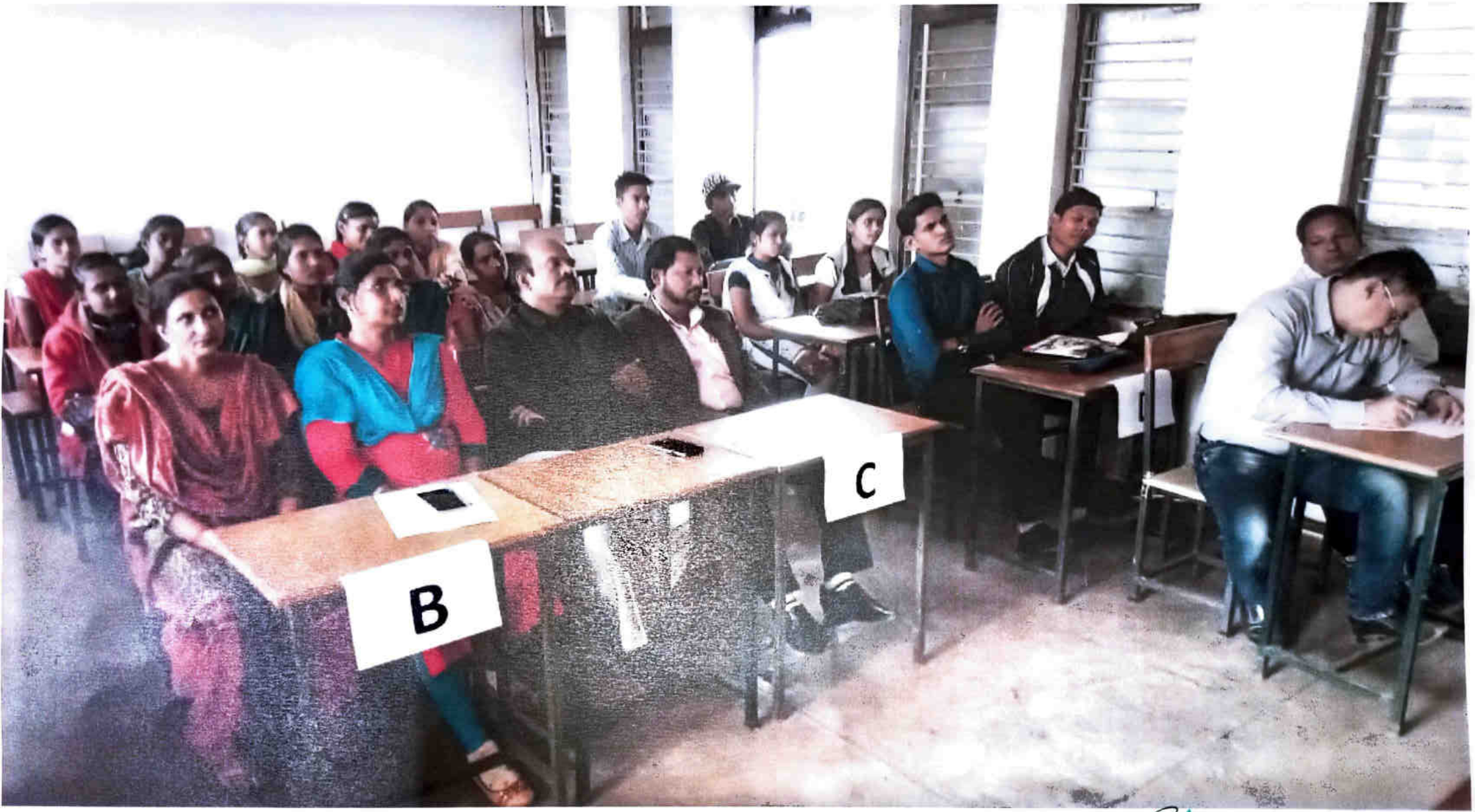

प्राचार्य
शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय
उतई जिला - दुर्ग (छ.ग.)

कहाँ छिपा कर रखूं
मेरी लाडली!
मेरी
कोई
सुनता
ही
नहीं

Shaskiya Danveer Tularam Mahavidayalaya
Utai, Distt.- Durg (C.G.)
WELCOMES YOU
CULTURAL COMMITTEE
SPOKEN ENGLISH CLASSES
CHAIRPERSON - Dr. MAHESHCHANDRA SHARMA
SUBJECT EXPERT - Dr. MERILY ROY
SHRI K SURESH

Listen, learn and speak English - Prof Ghanshyam
'World' is more significant than word-Acharya Dr.Sharma
A Joint workshop was organised on 'Communication skill' Utai

Utai/"The world would be dark if there is no light of 'word'. There cannot be existence of world without 'word'. 'Word' is more significant than 'world'. It started from 'letter to word','word to sentence' and with conversation the entire world came intoexistence. From This point only communication started. Begining from VedasShastras, Ramayan, Mahabharat, the importance of word is veryeffective tradition. By using minimum words providing maximum information is the art of communication skill Tulsidasji, Kabir, and Bihari are the best example of it. Speakers facial expressions also play very greater role in communication. for today's youth communication in English helps in preparing for interview". These views are expressed by language scholar and principal, Dr Maheshchandra Sharma in a workshop on 'Communication Skill', organised by Govt. D. T. P.G. College Utai and Dau Uttam Sao Govt. College Machandur. Spoken English Communication skill expert, and Head of the department of English from Dau Uttam Sao Govt. College Machandur interacted with the students in a very emphatic style with the help of PPT and video. He said four basic skill to learn a language are listening, speaking, reading and writing.Our ears are the uploading units, brain is the largest harddiskavailable in the world and mouth,t he downloading unit. The students have a great deal of fear to speak and learn english and they don't even try to speak english and they lack confidence and determination. Students should use sentences and phrases rather single words when they speak. This would be the first step to learn English. In second step students should not be worried about grammar rules and speak fearlessly.He also emphatically uerged the students to concentrate on listening which happens to be the first phase of learning English. With the help of videos he made students understand the fact that any language especially English could be learned only by 'ears' and not by 'eyes'. The methodology of the workshop was so interesting that it touched the minds and heart ofthe students. Some of them for the first time ever in life gave their feedback in english and promised them selves that now onwards they will speak in English. Dr. A. A. Khan HOD of English narrated the use of communication in our lives and advised the students to use various nuances related to the use of English as a means of communication. Dr. P. Vasanta Kala co-ordinator of IQAC and a member of English department while conducting the program highlighted on the objectivesof organizing the workshop. This program was organised by IQAC. Observing the inclination of Students in this workshop, the college management has decided to organise more such workshops. College always apart from enhancing the quality of education is also dedicated to cultural social responsibility. In future college will take decision to conduct more workshops on communication skills. UGC incharge and HOD of Zoology Dr. Madhulika roy rendered vote

प्राचार्य

महाविद्यालय

उतई जिला – दुर्ग (छ.ग.)

स्वच्छता पखवाड़े के अन्तर्गत महाविद्यालय की साफ–सफाई करते हुए महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स

प्राचार्य

राष्ट्रीय एकता दिवस